भजन

तर्ज–तुझे देख देख जगना

मेरी प्यासी प्यासी अखियां,तड़पूं मैं दिन और रतीयां
तेरे मिलन को नैना,तरसें ये दिन और रैना
आजा बुझा दे मेरी प्यास प्यास
जिया तलफ तलफ–2 जाए

1– रस भरे नैनां तेरे,इलम से जानी हूँ मैं
मरोड़ जो देखो इन्हें,अंग भेदत अनियारे
अति सुन्दर अलबेले,रस के भरे रंगीले
हाय हाय सुन जान जाये,जिया....

2– साकी यह नैनां तेरे,सुन्दर मद रंग भरे
गुण नैनों के क्या कहूँ,मीठे सुख मेहरों भरे
नैनां ये छैल छबीले,इश्के मस्ती में भीगे
आये रे आये बड़ी याद आये,जिया....

3–प्यारे मेरे प्राण के,कहती हूँ निसवत से
नैनों में बसा लो मुझे,डूबी रहूँ इनमें
अरवा आशिक ये चाहे,चंचल ये नैन तिहारे
जिनमें बसे हैं मेरे प्राण प्राण,जिया...